ये रातें ये मौसम

ये रातें, ये मौसम, नदी का किनारा, ये चंचल हवा,
ज़माने से केहदो, के कान्हा से कभी हम, न होंगे जुदा,
ये रातें ये मौसम.....

जन्मों से तुम मेरे संग संग चले थे,
गोकुल की गलियों में हम तो पले थे,
तूने माखन चुराया, मुझे भी खिलाया,
सबकुछ हे तेरा, और मांगू में क्या,
ये रातें ये मौसम.....

यमुना के तट पर जब तुम मिले थे,
चारों तरफ जैसे गुलशन खिले थे,
वो थी तेरी छाया, या थी कोई माया,
जीवन उसी क्षण से धन्य हुआ,
ये रातें ये मौसम.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30885/title/ye-raate-ye-mausam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |